RAJYA SABHA

Monday, the 24th May, 1976/3rd Jyaistha, 1898 (Saka)

The House met at eleven of the clock, **Mr. Chairman** in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Dacoities in running trains

*271. SHRI HARSH DEO MALAVIYA:†
SHRI R. NARASIMHA REDDY:
SHRI MULKA GOVINDA REDDY:
SHRI SYED NIZAM-UD-DIN:
SHRI VENIGALLA SATYANARAYANA:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state the number of dacoities committed in running trains in 1975 and so far in 1976 with details of dates of occurrence, the trains involved and loss of life and property therein?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHAMMAD SHAFI QURESHI): A statement is laid on the Table of the Sabha. [See Appendix XCVI, Annexure No. 32].

श्री हर्ष देव मालवीय : मान्यवर, मैं यह जानना चाहता हूं कि इतनी ज्यादा मात्रा में जो डकैतियां हो रही हैं इनका कारण क्या है ? दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूं कि सेन्ट्रल रेलवे में तो डकैतियों की संख्या कम है, लेकिन बाकी एरियाज में इनकी संख्या बहुत ज्यादा है, इसका क्या कारण है ? इन डकैतियों की रोकथाम के लिए सरकार की ओर से क्या कार्यवाही की जा रही है ?

श्री कमलापति त्रिपाठी : इसका कारण यह है कि सरकार की ओर से इस बात की कोशिश की जा रही है कि देश के अन्दर लॉ एण्ड आर्डर की सिचुएशन जनरली इम्प्रूव हो इसके लिए चेष्टा हो रही है और इस दिशा में काफ़ी सुधार भी हुआ है । यू० पी० और बिहार की सरकारों ने भी इस दिशा में प्रयत्न किया है । अगर आप 1975 के आंकड़े देखें तो आपको पता चलेगा कि इस प्रकार की घटनाओं में कमी हुई है । मुझे उम्मीद है कि भविष्य में हम इन घटनाओं को काफ़ी कम कर देंगे ।

श्री हर्ष देव मालवीय : इसके साथ-साथ मैं यह भी जानना चाहता हूं कि क्या कोई ऐसा प्रयत्न किया जा रहा है कि जो रेलवेज के अन्दर कसलटेटिव कमेटीज पेसेंजरों से सम्बन्धित हैं और जो स्थानीय जनता है, उनका सहयोग इन डकैतियों की रोकथाम के लिए लिया जाये ? मैं समझता हूं कि अगर गांवों के लोगों का सहयोग इस कार्य में लिया जाये तो इनकी रोकथाम में काफ़ी सहायता मिल सकती है । इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि इस दिशा में सरकार की ओर से क्या प्रयत्न किया जा रहा है ?

شری محمد شفیع قریشی - اس بارے میں نہ صرف گورنمنٹ جنتا سے سہیوگ لیتی ہے بلکہ ہماری جو اسٹینڈنگ والینٹری کمیٹیز ہیں اور جو زونل کمیٹیز ہیں ان کے ممبروں سے بھی مشورہ کیا جاتا ہے اور ان کی رائے بھی لی جاتی ہے-

†[**श्री मुहम्मद शफ़ी कुरेशी** : इस बारे में न सिर्फ़ गवर्नमेंट जनता से सहयोग लेती है बल्कि हमारी जो स्टेंडिंग वालेंट्री कमेटीज हैं और जो जोनल कमेटीज हैं उनके मेम्बरों से भी मशवरा किया जाता है और उनकी राय भी ली जाती है ।]

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Harsh Deo Malaviya.

†[ ]Hindi transliteration.

SHRI R. NARASIMHA REDDY: The report laid on the Table is really alarming. In 1975 on the Northern Railway 14 dacoities were committed; North-Eastern 26; South Eastern 12; and Eastern 29; and in 1976 also it is continuing. In view of the alarming situation and the sense of insecurity and fear among the passengers, may I know from the hon. Minister whether it is not possible to post plain-clothed armed guards, at least six in each train, with orders to shoot in the leg whenever the train stops and dacoities are committed?

SHRI MOHAMMAD SHAFI QURESHI: As I have already stated, law and order is a problem of the States concerned, but the State Governments have taken certain steps immediately by providing escorts to all long-distance night trains and there is a bit of patrolling going on at various stations. The areas have been identified. Besides, there are plain-clothed men moving on the platforms, at the stations and in the trains also in the affected areas to locate the dacoits and, if possible, prevent the menace of looting of passengers.

SHRI MULKA GOVINDA REDDY: I would like to know from the hon. Minister whether they have investigated the large number of dacoities that are taking place in the railways and whether they are aware that there is some sort of collusion between the RPF and the group of dacoits. I would also like to know whether the State Police concerned is giving full co-operation in this matter and whether the Ministry is thinking of reorganising and strengthening the RPF.

SHRI MOHAMMAD SHAFI QURESHI: The investigation is done by the local police and it is not correct to say that the RPF is involved in these dacoities. Except one case of West Bengal, there has not been a single instance where any person from the RPF was found involved in the dacoities. There are moves to strengthen the RPF and we have already asked the Home Ministry to give the RPF powers of investigation. Once these powers are given to the RPF they will be able to help the local police in tracking down the criminals.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : श्रीमन्, मैं यह जानना चाहता हूं कि गजरौला और मजमपुर-नारायण के बीच मसूरी एक्सप्रेस में भी पिछले दिनों बहुत चोरियां हुई हैं और मैंने अभी हाल समाचारपत्रों में पढ़ा कि मसूरी एक्सप्रेस में डाकू घुस गए थे, उन्होंने यात्रियों को लूटना प्रारम्भ किया; पुरुषों में कोई उन डकैतों का सामना नहीं कर सका तो एक महिला ने एक डाकू के हाथ से बन्दूक छीन ली, तो ये इतनी चोरियां क्यों बढ़ रही हैं और जो इस प्रकार से एक महिला ने साहस का परिचय दिया है तो उसको कुछ पुरस्कृत करने की भी योजना आपके यहां है या नहीं ?

شری محمد شفیع قریشی :

سرے ایریاز آئڈنٹیفائی ہو چکی ہیں جیسے کہ ناردرن ریلوے میں مرادآباد ڈویژن میں—جتنی بھی ڈکیتیاں ہوئی ہیں اسی ڈویژن میں ہوئی ہیں - جیسا کہ ممبر صاحب نے کہا کہ اسٹیٹ گورنمنٹ کے ساتھ مل کر یہ طے کیا جا رہا ہے اور کوشش کی جا رہی ہے کہ اس قسم کے واقعات دھرائے نہیں جائیں- اس کے لئے کیا کیا اپائے کئے جائیں اس کے متعلق اس وقت بھی اسٹیٹ گورنمنٹ سے بات چیت چل رہی ہے - لیکن چونکہ لوگوں نے کبھی کبھی خود بھی ڈاکوؤں کا مقابلہ کیا ہے جیسے کہ ایک ٹرین میں ایک مسافر نے اپنی ریوالور سے

ڈاکوؤں پر گولی چلا کر ڈاکوؤں کو بھگا دیا - ان معاملوں میں ہم دیکھینگے کہ ان کو کچھ انعام دیا جائے -

†[श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : सर, एरियाज आइडेंटिफाई हो चुकी हैं जैसे कि नार्दर्न रेलवे में मुरादाबाद डिवीजन में जितनी भी डकैतियां हुई हैं--इसी डिवीजन में हुई हैं । जैसा कि मेम्बर साहब ने कहा कि स्टेट गवर्नमेंट के साथ मिल कर यह तय किया जा रहा है और कोशिश की जा रही है कि इस किस्म के वाकयात दोहराये नहीं जायें । इसके लिए क्या-क्या उपाय किये जायें इसके मुताल्लिक इस वक्त भी स्टेट गवर्नमेंट से बातचीत चल रही है । लेकिन चूंकि लोगों ने कभी कभी खुद भी डाकुओं का मुकाबला किया है जैसे कि एक ट्रेन में एक मुसाफिर ने अपनी रिवाल्वर से डाकुओं पर गोली चला कर डाकुओं को भगा दिया । इस मामले में हम देखेंगे कि उनको कुछ इनाम दिया जाये ।]

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : महिला ने डाकू से बन्दूक छीन ली और इस तरह का काम कोई पुरुष नहीं कर सका, उसको तो निश्चित रूप से पुरस्कार दिया जाना चाहिए था ।

شری محمد شفیع قریشی - آج کل کے زمانے میں مہلا ایسا کرے تو کوئی تعجب کی بات نہیں ہوگی لیکن ان کے واسطے بھی انعام دیا جا رہا ہے -

†[श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : आजकल के जमाने में महिला ऐसा करे तो कोई ताज्जुब की बात नहीं होगी, लेकिन उनके वास्ते भी इनाम दिया जा रहा है ।]

श्रीमती सुशिला जी० कुलकर्णी : श्रीमन्, मुझे बहुत ही खुशी है कि हमारे मिनिस्टर साहब इस बात को मानते हैं कि महिलाओं के अन्दर विशेष साहस पाया जाता है, सचमुच ही महिला ने बहादुरी का परिचय दिया । तो श्रीमन्, इस बारे में मैं यह पूछना चाहती हूं कि इतनी सारी जो डकैतियां हुई हैं, आखिर डेढ़ साल के अन्दर डकैतियों के कितने केस चले और उनका क्या नतीजा रहा ? दूसरी बात यह कि आपका जो आर० पी० एफ० है उसको स्ट्रेन्दन करने की बात क्या आप सोच रहे हैं, मुझे ऐसा लगता है कि उसमें संख्या वृद्धि करने की भी आवश्यकता है ? क्या इन दोनों विषयों पर मन्त्री महोदय प्रकाश डालेंगे ?

شری محمد شفیع قریشی - آر پی - ایف- کی تعداد بڑھانے کے معاملہ پر بھی اس وقت وچار کیا جا رہا ہے اور اسٹیٹ گورنمنٹ جیسا کہ میں نے کہا کہ جتنے بھی ڈکیتی کے کیسز ہیں یہ اسٹیٹ گورنمنٹ کی جرسڈکشن میں آتی ہیں اور سٹیٹ پولیس پروسی کیوشن کرتی ہے- کن مقدمات میں اور کتنے چارجز میں ابھی تک فیصلہ ہوا ہے میرے پاس فیگرس تو نہیں ہیں لیکن تمام جتنے بھی کیسز پکڑے جاتے ہیں ان کے بارے میں پروسی کیوشن کیا جاتا ہے -

†[श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : आर० पी० एफ० की तादाद बढ़ाने के मामले पर भी इस वक्त विचार किया जा रहा है और स्टेट गवर्नमेंट जैसा कि मैंने कहा कि जितने भी डकैती के केसेज हैं ये स्टेट गवर्नमेंट की ज्यूरिसडिक्शन में आती हैं और स्टेट पुलिस प्रोसीक्यूशन करती है । किन मुकद्दमात में और कितने चार्जों में अभी तक फैसला हुआ है, मेरे पास फिगर्स तो नहीं हैं, लेकिन तमाम जितने भी केसिज पकड़े जाते हैं उनके बारे में प्रोसीक्यूशन किया जाता है ।

†[ ] Hindi translation.

श्रीमती सुमित्रा जी० कुलकर्णी : मुझे एक चीज निवेदन करनी है कि स्टेट गवर्नमेंट के पास केस है मगर असलियत में तो रेलवे का केस है इसलिए रेलवे को इस बारे में ज्यादा जाग्रत रहना चाहिए और खाली स्टेट गवर्नमेंट पर जिम्मेदारी नहीं डाल देनी चाहिए।

شری محمد شفیع قریشی : جاگرت رھنے کا مشورہ صحیح ھے اس کو ھم مانتے ھیں -

†[श्री मुहम्मद शफ़ी कुरेशी : जाग्रत रहने का मशवरा सही है। इसको हम मानते हैं।]

SHRI JAGJIT SINGH ANAND: Sir, the answer laid on the Table of the House says that the Southern Railway has been free from any dacoity, both in 1975 and in four months of 1976. This is a very ideal situation for which the concerned Railway must be congratulated. I only wish to ask whether the experience of managing things on the Southern Railway cannot be transplanted to other areas. Sir, the hon'ble Minister said that there has been a downward trend in the cases of dacoities in 1976 as compared to the cases in 1975. I wish to point out that on the North-Eastern Railway, in 1975, there were 26 cases, and in four months of 1976, there have been 10 cases, which means that the ratio comes to 30 cases for 12 months. Similar is the situation also on the Central Railway. So I wish to say that there need be no complacency as exhibited by the Minister.

The hon'ble Shri Qureshi said that on long-distance trains they are putting armed guards. But as a newspaper-man I find that some of the passenger trains, which are normally not long-distance trains, are subjected to such dacoities more. Most of the dacoities also take place on way-side stations. In view of this, will the hon'ble Minister consider that on the passenger trains, specially in the past affected areas, there are on board armed guards?

SHRI MOHAMMAD SHAFI QURESHI: Sir, realising that the primary responsibility of the Railways is to conduct the passengers safely from one place to another, we are not lagging behind in this regard. As already stated by the Minister now in this very House, we are actually taking up certain measures to treat this menace of dacoities in certain areas. Sir, as far as the experience of the Southern Railway is concerned, there have been no cases of dacoities in the Southern Railway. Therefore, they have no experience of meeting the dacoity menace. So, it is the situation in a particular area which has to be met.

Sir, with regard to the last point made, it was not very clear to me.

SHRI JAGJIT SINGH ANAND: Sir, on long-distance trains they are putting armed guards. My point was that, as reported in the press, most of the dacoities are on those passenger trains which are not normally very long distance trains, specially on the way-side stations. So, my request is whether the hon. Minister will consider extending this facility of providing armed guards to the passenger trains also which are not long-distance trains.

SHRI MOHAMMAD SHAFI QURESHI: That aspect will also be considered. I would like to inform the House that the Railways have appointed a one-man expert committee to go into this. That committee report is expected any day, parts of it already received are being considered by the Railways.

श्री जगदीश जोशी : क्या माननीय मंत्री जी यह बतलाने की कृपा करेंगे कि उत्तरी रेलवे में ही नहीं, बल्कि पूर्वी रेलवे और लगभग समस्त रेलवे में डकैती का आतंक छाया हुआ है। यह एक सामूहिक समस्या है एक छोटे से टुकड़े में ही सीमित नहीं है। कलकत्ता और धनबाद के बीच अमूमन इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं। मुरादाबाद के हिस्से में भी इस तरह की घटना होती रहती है। झांसी के आगे के हिस्से में भी अमूमन इस तरह की

†[ ]Hindi transliteration.

घटनाएं होती रहती हैं और यह तमाम हिस्सा ऐसा है जिसके बारे में रेलवे अधिकारियों को मालूम है और उनकी नजरों में है । मेरा निवेदन मन्त्री महोदय से यह है कि क्या वे इस बात पर विचार कर रहे हैं कि इन मार्गों पर जो रेलें चलती हैं, उन पर सशस्त्र रेलवे सुरक्षा दल के आदमी नियुक्त किये जायें, ताकि वे हर प्रकार की यात्री गाड़ियों में चलें ।

इसके साथ ही साथ मैं यह भी निवेदन करना चाहता हूं कि जहां जहां प्रान्तों की रेलवेज में इस तरह के जुर्म होते हैं, वहां पर केन्द्रीय गुप्तचर विभाग की, राज्य गुप्तचर विभाग की तथा अन्य अधिकारियों की मदद ली जाती है और क्या इस बारे में रेलवे मन्त्रा-लय सोच रहा है ?

इसके साथ ही साथ मैं यह भी निवेदन करना चाहता हूं कि क्या रेलवे मंत्रालय ने इस बात पर राज्य सरकारों से परामर्श किया है कि उनके यहां से जो पुलिस के सिपाही, आफिसर जी० आर० पी० में भेजे जाते हैं, वे वही लोग भेजे जाते हैं, जिन्हें किसी न किसी प्रकार से दण्ड देना हो । राज्य सरकार अगर किसी पुलिस कर्मचारी या आफिसर को दंड देना चाहती है, तो उसे या तो सी० आई० डी० में भेज दिया जाता है या फिर रेलवे की पुलिस में भेज दिया जाता है । क्या रेलवे मंत्रालय राज्य सरकारों से इस बारे में निवेदन करेगा कि हमको जितने भी रेलवे पुलिस के लिये अधिकारी चाहियें वे उच्च कोटि के होंगे और जो भी छाटे जायें उन्हे अतिरिक्त अलाउन्स भी दिया जाएगा । जब इस तरह के पुलिस अधिकारियों का चुनाव हो, तो उस समय क्या आपके अधिकारी भी चुनाव करने में शामिल रहेंगे, इस तरह की कोई योजना आपके पास है ?

شری محمد شفیع قریشی :

سی - آر - پی کے بارے میں عام ایمپریشن یہ ہے کہ جو قابل لوگ نہیں ہوتے ہیں انہیں ریلوے کی طرف بھیج دیا جاتا ہے - جیسے کہ ابھی منتری مہودے نے کہا اسٹیٹوں کے چیف منسٹروں سے اس بارے میں یہ بات طے کی جا رہی ہے کہ قابل ترین آفیسروں کو ہی جانچ پڑتال کرکے اور دیکھ بھال کرکے سی - آر - پی میں بھیجا جائے -

جہاں تک اسٹیٹ گورنمنٹس کی باقی ایجنسیوں کا تعلق ہے جیسے سی - بی - آئی اور اسٹیٹ کی سی - آئی - ڈی کا تعلق ہے غرض کہ جتنی بھی ایجنسیاں جرم کی روک تھام کے لئے کام کرتی ہیں اُن سب سے رابطہ قائم کیا گیا ہے اور ان سب کا استعمال کیا جا رہا ہے -

†[(श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : सी० आर० पी० के बारे में आम इम्प्रेशन यह है कि जो काबिल लोग नहीं होते हैं, उन्हें रेलवे की तरफ भेज दिया जाता है । जैसे कि अभी मंत्री महोदय ने कहा स्टेटों के चीफ मिनिस्टरों से इस बारे में यह बात तय की जा रही है कि काबिल तरीन अफसरों को ही जांच-पड़ताल करके और देखभाल करके सी० आर० पी० में भेजा जाये ।

जहां तक स्टेट गवर्नमेंट्स की बाकी एजेंसियों का ताल्लुक है जैसे सी० बी० आई० और स्टेट की सी० आई० डी० का ताल्लुक है, गर्ज कि जितनी भी एजेंसिया जुर्म की रोकथाम के लिये काम करती है उन सबसे राबता कायम किया गया है और उन सबका इस्तेमाल किया जा रहा है ।]

श्री ओउम् प्रकाश त्यागी : अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि अकेले नार्थ ईस्टर्न रेलवे में करीब 26 डकैतियां हुई और

†[ ] Hindi transliteration.

ईस्टर्न में करीब 29 डकैतियां हुई, क्या इस तरह की डकैतियों में नक्सलपंथी लोग सक्रिय हैं और क्या इन लोगों के साथ राजनीतिक नक्सलपंथियों का भी हाथ है ? इन डकैतियों को रोकने के लिये आपने क्या कार्यवाही की है और पिछले वर्ष आपने कितने डकैत पकड़े हैं ?

شری محمد شفیع قریشی : اس کے امکان ہو سکتے ہیں کہ جو پالیٹیکل پارٹیز ہیں یا نکسل وادی قسم کے لوگ ہیں وہ ایسٹرن سیکٹر میں اس طرح کی ایکٹیویٹیز میں حصہ لے رہے ہوں اور اس طرح کی واردات کر رہے ہوں - اس وقت جو ڈکیتیاں ہوئی ہیں ان کے بارے میں میرے پاس فیگرس نہیں ہیں کہ کتنے ڈکیت پکڑے گئے ہیں - اگر اس بارے میں سوال کیا گیا ہوتا تو میں بتلا سکتا -

[†श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : इसके इमकान हो सकते हैं कि जो पोलीटिकल पार्टीज हैं या नक्सलवादी किस्म के लोग हैं वे ईस्टर्न सेक्टर में इस तरह की एक्टीविटीज में हिस्सा ले रहे हों और इस तरह की वारदात कर रहे हों। इस वक्त जो डकैतियां हुई हैं उनके बारे में मेरे पास फिगर्स नहीं है कि कितने डकैत पकड़े गये हैं, अगर इस बारे में सवाल किया गया होता, तो मैं बतला सकता ।]

श्री ओम् प्रकाश त्यागी : कितने डकैत पकड़े गये हैं, यह माननीय मंत्री जी ने नहीं बतलाया ।

MR. CHAIRMAN: That question was not specifically asked. Therefore he was not able to collect it. He would collect it.

†[ ]Hindi transliteration.

SHRI KHURSHED ALAM KHAN: May I know from the hon. Minister whether the Railway Protection Force personnel were on duty on any such trains when all these dacoities were committed and whether at any time there was any encounter between them and the undesirable elements and, if so, with what result?

SHRI MOHAMMAD SHAFI QURESHI: I require notice for this question because I do not have the figures for these now with me.

SHRI KRISHNARAO NARAYAN DHULAP: How many passengers were killed and how many injured when these dacoities were committed? Secondly, I would like to know whether any cell has been set up by the Railways to locate the place from which these dacoits come and whether any special dogs have been employed by the Railway's to find out the dacoits.

SHRI MOHAMMAD SHAFI QURESHI: Sir, as far as passengers are concerned, nine lives were lost in 1975 and one in 1976. And the tracking dogs used by the Railways are also being used to track down these criminals.

SHRI JANARDHANA REDDY: Just now the Minister said that his Ministry is taking up with the Home Ministry the question of having more powers for the Railway Protection Force for investigation, etc. Does it mean that the State Government has to withdraw its force which is under deputation or what is the actual arrangement? What is the effective way by which the Ministry is planning to eradicate this menace from the country?

SHRI MOHAMMAD SHAFI QURESHI: Sir, there has to be coordination between the GRP and the RPF. That is the main purpose.

MR. CHAIRMAN: Next question.